ICAR-Central Potato Research Institute

Regional Station, Modipuram, Meerut (UP)

Visit of Agriculture Minister, Myanmar and Director General, Agriculture Myanmar

Hon'ble Minister of Agriculture, Livestock and Irrigation, Myanmar HE Dr. Aung Thu, Hon'ble Ambassador of Myanmar HE Shri Moe Kyaw Aung and Dr Ye Tint Tun, Director General, Department of Agriculture, Myanmar visited CPRI Regional Station, Modipuram, Meerut on 11 January, 2018. Vice president of Indo-Myanmar Chamber of Commerce & Industries Shri Ashok Murarka and Dr BS Prakash, ADG (AN&P), ICAR, New Delhi accompanied them. Dr Manoj Kumar, Joint Director of Regional Station formally welcomed all delegates and gave brief presentation about potato production scenario in India and potato research activities and achievements of ICAR-CPRI. Thereafter dignitaries from the Myanmar discussed on various issues related to potato varieties, seed production systems, production technologies and processing potato various products. Hon'ble minister also planted a sapling in the campus of station as token of sweet memory. Dignitaries were taken to experimental and seed production fields, where they appreciated the leadership of CPRI in potato research and development and also discussed the possibility of working of together for the benefit of potato farmers of both the countries.

भाकृअनुप-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केंद्र, मोदीपुरम, मेरठ (उ.प्र.)

म्यांमार के कृषि मंत्री डॉ औंग थु एवं डॉ ये टिंट हटुन, महानिदेशक, कृषि विभाग, म्यांमार का आगमन

इस केंद्र पर दिनांक 11 जनवरी, 2018 को माननीय डॉ औंग थु, केंद्रीय कृषि, सिंचाई एवं पशुधन मंत्री, म्यांमार, भारत में म्यांमार के राजदूत महामहिम श्री मोइ क्याव औंग एवं डॉ ये टिंट टुन म्यांमार, महानिदेशक कृषि विभाग ने भ्रमण किया। इनके साथ इंडो-म्यांमार चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष श्री अशोक मुरारका तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं सहायक महानिदेशक (एएनपी) डॉ बीएस प्रकाश, भी थे। सर्वप्रथम केंद्र के संयुक्त निदेशक डॉ मनोज कुमार ने वैज्ञानिकों के साथ गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। उसके पश्चात संयुक्त निदेशक ने सभागार में भारत में आलू के परिदृश्य एवं संस्थान द्वारा आलू अनुसंधान से संबन्धित उपलब्धियों के विषय में एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया। जिसमें अतिथियों ने विभिन्न पहलुओं विशेषकर भारतीय आलू प्रजातियों, आलू उत्पादन तकनीकों, बीज उत्पादन प्रणाली एवं आलू प्रसंस्करण पर चर्चा की एवं विशेष रुचि दिखाई। तत्पश्चात माननीय कृषि मंत्री ने केंद्र के प्रांगण में स्मृति स्वरूप पौधारोपण किया। उसके बाद अतिथियों को केंद्र पर चल रही आलू अनुसंधान संबंधी गतिविधियों के विषय में जानकारी हेतु भ्रमण कराया गया। अतिथियों ने केंद्र पर संचालित आलू अनुसंधान संबंधी गतिविधियों की प्रशंसा की एवं साथ कार्य करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

PLANTATION BY
DR. AUNG THU.
11.01.2018